सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

चरित्र + अवसर = सफलता
-एन. आर. नारायण मूर्ति

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 145 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 2 जुलाई, 2026

भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मैच... 7 | लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर... 3 | भाजपा राज में थानों में भारी... 2

कटघरे में नहीं बातचीत की मेज पर सुलझेगी खान सर कंट्रोवर्सी

मानहानि की लड़ाई में अदालत ने चुना संवाद का रास्ता

- » वीडियो हटाने के मामले में भी एंकर अंजना को फौरी राहत नहीं
- » बहस से बवाल, बवाल से अदालत, अदालत से संवाद तक

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। अदालतें कई बार सिर्फ फैसला नहीं सुनाती बल्कि वह समाज को आईना भी दिखाने का काम करती है। एंकर अंजना ओम कश्यप द्वारा **4PM** संपादक संजय शर्मा और अन्य लोगों पर किये गये मानहानि और वीडियो हटाने के मुकदमें में आज कुछ ऐसा ही दृश्य दिखायी दिया।

दिल्ली हाई कोर्ट में आज की सुनवाई में सिर्फ अगली तारीख तय करने की कार्यवाही नहीं हुई बल्कि अदालत ने एक अलग रास्ता चुना। अदालत ने टकराव से पहले संवाद को अहमियत देते हुए इस पूरे मामले को मध्यस्थता के पास भेज दिया है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने कहा कि जो नुकसान होना था वह हो चुका है। अब दोनों पक्ष केवल स्थिति को संभाल सकते हैं।

नीट पेपर लीक से शुरू हुआ विवाद

यह पूरा विवाद नीट एक्जाम से जुड़ी एक टीवी डिबेट के बाद शुरू हुआ। टीवी डिबेट के दौरान अंजना ओम कश्यप ने आनलाइन पढ़ाने वाले शिक्षकों को फ्रॉड और व्यूज के पीछे भागने वाले एक्सप्लेनर कहा। इसके बाद खान सर और अन्य शिक्षकों ने प्रतिक्रिया देते हुए कथित तौर पर अंजना ओम कश्यप और टीवी टुडे नेटवर्क के खिलाफ बिकाऊ पत्रकार, चाटुकार, दलाली, फेक न्यूज की दुकान जैसे शब्दों का प्रयोग किया। इन टिप्पणियों को मानहानिकारक बताते हुए अंजना ओम कश्यप और टीवी टुडे नेटवर्क ने 2 करोड़ रुपये के मानहानि हर्जाने की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में **4PM** संपादक संजय शर्मा और अन्य लोगों पर मुकदमा दायर किया है तथा आपत्तिजनक टिप्पणियों को हटाने की मांग की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 9 जुलाई निर्धारित की है। तब तक अदालत मध्यस्थता की कार्यवाही के परिणाम का इंतजार करेगी।

> “4PM संपादक संजय शर्मा एंकर अंजना ओम कश्यप और खान सर कंट्रोवर्सी”

वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव मध्यस्थ नियुक्त

अदालत ने दोनों पक्षों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की सलाह दी और वरिष्ठ अधिवक्ता राजशेखर राव को मध्यस्थ नियुक्त कर दिया। यह वही मुकदमा है जिसमें टीवी एंकर अंजना ओम कश्यप ने खान सर सहित कई प्रतिवादियों और 4PM न्यूज चैनल सहित कई अन्य डिजिटल मंचों के खिलाफ मानहानि का दावा किया है। पिछली सुनवाई में अदालत ने तत्काल वीडियो हटाने या अंतरिम राहत देने से इनकार किया था और पक्षकारों से जवाब मांगा था। आज अदालत ने मामले को मध्यस्थता के लिए भेजते हुए संकेत दिया कि जहां संभव हो बातचीत से समाधान तलाशना चाहिए। यह आदेश केवल इस मुकदमे तक सीमित नहीं है। यह आदेश बताता है कि हर तीखी टिप्पणी मानहानि नहीं हो सकती और हर आलोचना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी नही है। क्या अदालत का काम केवल जीत और हार तय करना है या कभी कभी संवाद की संभावना को भी बचाना है। यही वह प्रश्न हैं जो आज की सुनवाई को महत्वपूर्ण बनाता हैं। कानून कहता है कि प्रतिष्ठा भी एक अधिकार है। लोकतंत्र कहता है कि सवाल पूछना भी एक अधिकार है। इन दोनों अधिकारों के बीच संतुलन ही अदालतों की सबसे कठिन परीक्षा है। आज अदालत ने कोई अंतिम फैसला नहीं दिया। किसी पक्ष को विजेता घोषित नहीं किया। लेकिन इतना जरूर कहा कि जहां संवाद की संभावना बची हो वहां उसे मौका मिलना चाहिए। और शायद यही इस मुकदमे का सबसे बड़ा संदेश भी है कि डिजिटल युग में शब्द सेकंडों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। लेकिन उन शब्दों के असर को समझने और विवाद सुलझाने के लिए कानून अब भी धैर्य प्रक्रिया और संतुलन का रास्ता चुनता है।

अदालत की टिप्पणी

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति गेडेला ने अंजना के वकील की दलील सुनने के बाद कहा कि किसी की आलोचना करना गलत नहीं है लेकिन आलोचना शालीन और मर्यादित भाषा में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संभव है कि शिक्षकों की प्रतिक्रिया अंजना ओम कश्यप की टिप्पणियों के जवाब में आयी हो। खान सर की ओर से अधिवक्ता मुरारी तिवारी ने अदालत को बताया कि एंकर अंजना ओम कश्यप के बच्चों से संबंधित जानकारी हटा दी जाएगी। उन्होंने मांग की शिक्षकों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां को भी हटाया जाए और इसे बंद किया जाए। इसके बाद अदालत ने दोनों पक्षों के वकीलों को साथ बैठकर उन शब्दों और टिप्पणियों पर चर्चा करने का निर्देश दिया जिन पर दोनों पक्षों को आपत्ति है ताकि विवाद का समाधान निकाला जा सके।

भाजपा राज में थानों में भारी भ्रष्टाचार : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- भगवान श्रीराम व बाबा साहब दोनों को बीजेपी ने दिया दगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला जारी है। श्री यादव ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने रास्ता दिखा दिया है। भाजपा भ्रष्टाचारी है। थानों, तहसीलों और अस्पतालों में भारी भ्रष्टाचार है। संविधान बदलने के लिए सांसदों को खरीद रही है। प्रभु श्रीराम भाजपा से पहले से हैं। भाजपा ने रामधन चोरी किया है। मर्यादा का एक नाम भगवान श्रीराम का है और दूसरा नाम बाबा साहब का संविधान है। भाजपा ने दोनों को दगा दे दिया है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तार कर्नाटक और महाराष्ट्र से जुड़े हैं। चढ़ावा चोरी का सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी बंद कर दिए गए थे।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर अखिलेश यादव की मौजूदगी में दलित समुदाय से आने वाली अंजलि और उनके परिवार को सपा का सदस्य बनाकर सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया गया। कुछ समय पहले राजधानी में भंडारे के आयोजन में अंजलि ने अखिलेश यादव को प्रसाद खिलाया था। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस कारण से अंजलि के परिवार को सरकार के अन्याय का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि आज हम संकल्प लेते है कि प्रदेश की जनता को नई सरकार देंगे, जो उनकी समस्याओं का समाधान करेगी।

असली रामभक्त बन करना पड़ा ट्वीट

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि जब इटावा में केदारेश्वर भगवान का मंदिर बनाना शुरू किया तो हमें नहीं पता था कि यह श्रीशक्ति अक्ष रेखा पर आ जाएगा। हम तो केवल माध्यम हैं। इसी तरह से भगवान श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जानकारी मिली। हिम्मत जुटाकर प्रभु श्रीराम का असली भक्त बनकर हमें ट्वीट करना पड़ गया। सोचिए अगर हम लोग गलत होते तो भाजपा हमारे खिलाफ कितना कुछ प्रचार करती। इस अवसर पर विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय, पूर्व मंत्री बलराम यादव, राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, सांसद सनातन पांडेय, पूर्व एमएलसी संजय लाठर, एमएलसी मो. जासमीर अंसारी आदि मौजूद रहे।

डिजिटल सदस्यता अभियान लॉन्च

अपने जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को डिजिटल सदस्यता अभियान लॉन्च किया। हर बूथ पर 50 नए सदस्य बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान, आस्था और श्रद्धा से खिलवाड़ कर रही है। आम मतदाता को समाजवादी पार्टी से बड़ी उम्मीदें हैं। उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी है।

20 रुपये रखा गया है सदस्यता शुल्क

सपा ने सदस्यता शुल्क 20 रुपये रखा है। अखिलेश यादव ने कहा कि सदस्यता अभियान से हमें चंदा भी प्राप्त होगा।

सपा प्रमुख ने राहुल गांधी को दिया धन्यवाद
बोले- हमें अपनी एकता का संकल्प बनाए रखा है

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जन्मदिन पर बधाई देने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर अखिलेश यादव को जन्मदिन की बधाई दी. उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई अखिलेश यादव जी. पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) की हिस्सेदारी से सामाजिक न्याय का संकल्प हम मिलकर पूरा करेंगे अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं। इस पर अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को धन्यवाद देते हुए एक्स पर पोस्ट किया,जन्मदिन की बधाई देने के लिए राहुल गांधी को बहुत-बहुत धन्यवाद! उन्होंने पोस्ट में कहा, सामाजिक न्याय का राज लाने में साथ निभाने वाले सब लोगों का स्वागत है, हमें अपनी एकता का संकल्प हर बार दोहराना है और सांप्रदायिक ताक़तों को दबे-छिपे लाभ पहुंचानेवालों के चेहरे से पर्दा हटाना है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, पीडीए राजनीति से बहुत ऊपर उठकर देश की 95 प्रतिशत उस आबादी के हक-अधिकार, मान-सम्मान और खुशहाली-तरक्की का आंदोलन है, जो सदियों से हर समाज में शोषित, वंचित, गरीब रहे हैं।

महुआ मोइत्रा पर फेंके अंडे तो अखिलेश यादव ने जताई नाराजगी

अखिलेश यादव ने महुआ मोइत्रा का वीडियो शेयर कर बीजेपी पर निशाना भी साधा है. उन्होंने लिखा बीजेपी अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके बीजेपी शासित राज्यों विशेषकर प. बंगाल में राजनीतिक हिंसा का विषैला वातावरण बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है.,इस नकारात्मक-प्रहारात्मक व्यवहार से पूरे देश की जनता बेहद नाराज़ और आक्रोशित है। अखिलेश यादव ने आगे कहा, यहां तक कि बीजेपी के अपने नेता और कार्यकर्ता तक इस तरह के हिंसक हमलों के खिलाफ हैं, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि आज जहाँ उनकी सरकारें नहीं हैं, वहाँ बीजेपीइयों और उनके संगी-साथियों के ऊपर अगर ऐसा प्राणघातक हमला होना शुरू हो गया तो क्या होगा या फिर कल को उनकी सरकार जाने के बाद क्या होगा ।सपा चीफ अखिलेश यादव ने बीजेपी के बड़े नेता तो सुरक्षा घेरे में खुद को बचा लेंगे लेकिन आम कार्यकर्ता को सड़क पर जनाक्रोश का शिकार होने के लिए छोड़ देंगे, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से संज्ञान लेने के लिए कहा है, उन्होंने कहा, न्यायालय एवं लोकसभा अध्यक्ष तत्काल संज्ञान लें. यह घोर निंदनीय है।

चंदा चोरों को सजा दिलवाने के लिए सरकार बदलनी होगी : केजरीवाल

» आप ने भाजपा सरकार पर किए तीखे प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों पर तीखा हमला किया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र और उत्तर प्रदेश की मौजूदा सरकारें इस मामले में आरोपी लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई सुनिश्चित नहीं कर सकतीं।

उन्होंने कहा, अगर आप चाहते हैं कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, तो सरकार बदलनी होगी। मौजूदा केंद्र सरकार और राज्य सरकार सज़ा सुनिश्चित नहीं कर सकतीं। भगवान राम का हर भक्त जो चाहता है कि चंदा चोरों को सज़ा मिले, उसे सरकार बदल देनी चाहिए। जब बार एसोसिएशन ने उनका बहिष्कार किया तो मुझे खुशी हुई। केजरीवाल ने इस मामले को संभालने के सरकार के तरीके पर सवाल उठाए और दावा किया कि जब तक सरकार नहीं बदलेगी, तब तक कथित गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार लोगों को सज़ा नहीं मिलेगी। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब राम मंदिर दान में कथित चोरी के मामले की जांच चल रही है और कई आरोपियों को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। मौजूदा सरकार में चंदा चोरों को सज़ा नहीं मिल सकती

अमित शाह के राम मंदिर जाने पर सवाल उठाए गए

केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा और दावा किया कि प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से वे राम मंदिर नहीं गए हैं। केजरीवाल के अनुसार, प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लगभग ढाई साल बीत चुके हैं, लेकिन शाह इस दौरान मंदिर नहीं गए हैं। केजरीवाल ने कहा श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा को ढाई साल यानी कुल 891 दिन बीत चुके हैं। इन ढाई सालों में गृह मंत्री अमित शाह एक बार भी राम मंदिर नहीं गए। जिस व्यक्ति ने भगवान राम के नाम का सबसे ज़्यादा गलत इस्तेमाल किया है, वह राम मंदिर नहीं गया है। उन्होंने अपने भाषणों और इंटरव्यू में 42 से ज़्यादा बार राम मंदिर का ज़िक्र किया है और उसके नाम पर वोट मांगे हैं। उनके पास राम के नाम पर वोट मांगने का तो समय है, लेकिन मंदिर जाने का समय नहीं है। इसके बाद उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से कई सवाल पूछे। उन्होंने पूछा, अमित शाह से मेरे सवाल हैं- आप राम मंदिर क्यों नहीं गए? क्या आपका राम मंदिर जाने का मन नहीं करता? क्या आपको भगवान राम के आशीर्वाद की ज़रूरत नहीं है? क्या आप राम को भगवान नहीं मानते? केजरीवाल ने शाह से मंदिर जाने का आग्रह भी किया और कहा, मैं अमित शाह से अनुरोध करता हूं कि वे ज़रूर राम मंदिर जाएं।

भाजपा ने राजनीति के लिए सनातन का इस्तेमाल किया

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने बीजेपी पर राजनीतिक फायदे के लिए सनातन का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। यह दावा करते हुए कि भाजपा नेता भगवान राम को सच में भगवान नहीं मानते, केजरीवाल ने कहा कि ये लोग राम को भगवान नहीं मानते, वरना वे चोरी नहीं करते। भगवान राम ने उन्हें सब कुछ दिया है। उन्होंने 21 राज्यों और केंद्र में सरकार बनाने में उनकी मदद की। उन्हें कम से कम जाकर भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया,देश का हर सनातनी दुखी और परेशान है। अभी और भी बहुत कुछ सामने आना बाकी है। उन्होंने सनातन का इस्तेमाल सिर्फ़ सत्ता और पैसे के लिए किया है।

बाढ़ की तैयारियों में सैनी सरकार विफल : अभय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने आरोप लगाया है कि बाढ़ नियंत्रण कार्यों की सरकारी समय सीमा समाप्त होने के बावजूद प्रदेश में तैयारियां पूरी नहीं हुई हैं। पहले 15 जून और बाद में 30 जून तक कार्य पूरे करने की डेडलाइन तय की गई थी लेकिन अभी भी अधिकांश स्थानों पर पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं।

यहां जारी बयान में अभय चौटाला ने कहा कि यदि पहाड़ी क्षेत्रों और हरियाणा में भारी बारिश होती है तो हर वर्ष की तरह बाढ़ से फसलों, पशुधन और जन-धन का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। भाजपा सरकार बाढ़ नियंत्रण के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च दिखाती है लेकिन अधिकांश परियोजनाएं केवल कागजों में पूरी दिखाई जाती हैं। उनका दावा है कि इसी प्रक्रिया में घोटाले कर जेबें भरी जाती हैं।

इनेलो प्रमुख ने कहा कि पिछले वर्ष आई बाढ़ में लोगों के घर उजड़ गए। फसलें बर्बाद हुईं और कई इलाकों में गंभीर संकट पैदा हो गया था। उस समय राहत कार्यों के बजाय सरकार के मंत्री और भाजपा नेता फोटोशूट कराने में व्यस्त रहे। इस बार भी ड्रेनेज की सफाई, तटबंधों की मजबूती और जल निकासी की व्यवस्थाएं पूरी नहीं हुई हैं जिससे भारी बारिश की स्थिति में फिर से बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

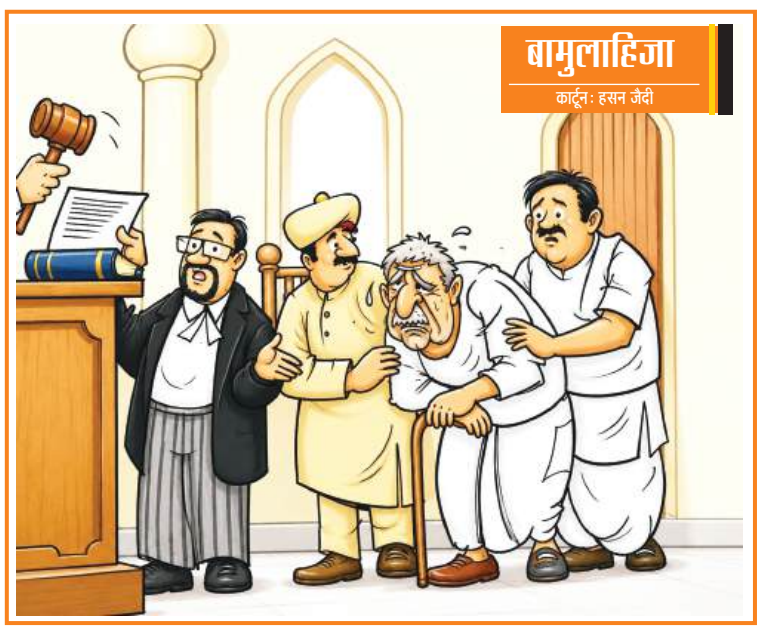

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के यूपी प्रभारी का भव्य स्वागत

संविधान को हाथ में लेकर कांग्रेस पार्टी संघर्ष करेगी : राजेन्द्र पाल गौतम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पद पर नियुक्त होने के बाद पहली बार अपने यूपी आगमन के तहत राजेन्द्र पाल गौतम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय लखनऊ पहुंचे जहां श्री गौतम का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में हजारों की संख्या में मौजूद वरिष्ठ नेताओं एवं कांग्रेसजनों द्वारा भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता डॉ0 उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम प्रात: नई दिल्ली से सड़क मार्ग से चलकर प्रात: 8.30 बजे दोपहर 3.30 बजे एनएच उन्नाव से होकर सायं लखनऊ पहुंचे। जहां हजरतगंज पहुंचकर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर महासभा, वीरांगना अवंती बाई लोधी प्रतिमा, सरदार पटेल प्रतिमा, महात्मा गांधी प्रतिमा एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

तदुपरान्त देर सायं 8.30 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे। दिल्ली और लखनऊ के पूरे रास्ते भर जगह-जगह पर जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजनों द्वारा गौतम जी का स्वागत किया गया। ससायं प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने पर हजारों की संख्या में मौजूद कांग्रेसजनों द्वारा फूल मालाओं से श्री गौतम का भव्य स्वागत किया गया।स्वागत समारोह में मौजूद हजारों की संख्या में कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान को हाथ में लेकर कांग्रेस पार्टी संघर्ष करेगी। बाबा साहब और कांग्रेस के बीच कोई मतभेद नहीं था दोनों एक दूसरे के पूरक थे इसीलिए कांग्रेस ने बाबा साहब को संविधान सभा का अध्यक्ष बनाया और कानून मंत्री बनाया। जो पार्टियां झूठ बोलती हैं भ्रम फैलाती हैं उनका पर्दाफाश करने का समय आ गया है।

छोटों पर जुलम, बड़ों पर रहम?

लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में एक्शन पर सवाल

» कोचिंगों पर नोटिस-सीलिंग जारी

» लेकिन बड़े शोरूमों पर केवल नोटिस क्यों

प्रांजुल मिश्रा/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग संस्थान में हुए भीषण अग्निकांड और 15 बच्चों की मौत के बाद पूरे यूपी में ताबड़तोड़ कारवाई की जा रही है। हालांकि ये भी आरोप लग रहे हैं कि छोटी मछलियों पर कार्रवाई हो रही है जबकि बड़े मगरमच्छ छोड़ दिए जा रहे हैं।

उधर राज्य की व्यवसायिक नगरी कानपुर में प्रशासनिक मशीनरी अचानक सक्रिय हो गई है। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए), फायर विभाग के बाद अब क्षेत्रीय उच्च शिक्षा विभाग भी एक्शन मोड में आ गया है। काकादेव कोचिंग मंडी में बिना पंजीकरण संचालित हो रही 14 कोचिंग संस्थाओं को नोटिस जारी किया गया है। वहीं केडीए द्वारा विभिन्न जोनों में सीलिंग की कार्रवाई भी लगातार जारी है।

4PM में 12 जून को प्रकाशित हुई थी खबर

कानपुर में मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

आपके अपने विश्वसनीय अखबार **4PM** में 12 जून को प्रकाशित खबर के बाद हरकत में आए केडीए के प्रवर्तन दस्ते ने शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस डिजिटल, रिलायंस ट्रेंड्स, जुडियो, आदित्य विजन और डीआईवाई जैसे प्रतिष्ठानों पर केवल नोटिस काटकर अपनी पीठ थपथपा ली। लेकिन क्या नोटिस काट देने से कार्यवाही पूरी हो गई..? जोन-1ए के जेई अर्पण सिंह ने बताया था कि शॉपर्स स्टॉप को नोटिस दी गई है। वहीं जोन-1ए के ही जेई संतोष गोंड ने बेहद बेतुका या फिर यूं कहें कि बचकाना बयान देते हुए कहा था– सभी का नोटिस काट देंगे, अगर नक्शा बिल्डिंग के अनुसार पास नहीं है तो पास अवश्य करवाना पड़ेगा, शमन जमा करवा देंगे।

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने किए 14 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी

क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. राजेश के निर्देश पर गठित टीम ने काकादेव क्षेत्र में अभियान चलाकर बिना पंजीकरण संचालित 14 कोचिंग संस्थानों को नोटिस जारी किया। अधिकारियों के अनुसार यदि कोई संचालक 10 या उससे अधिक विद्यार्थियों को पढ़ा रहा है तो उसका पंजीकरण अनिवार्य है। इसके लिए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा कार्यालय में आवेदन के साथ फायर विभाग एवं केडीए की एनओसी लगानी होती है। वर्तमान में शहर में एक हजार से अधिक कोचिंग संचालित होने का अनुमान है, जबकि केवल 35 कोचिंगों का ही सक्रिय पंजीकरण है। लगभग 20 कोचिंग ऐसी हैं जिनका पंजीकरण नवीनीकरण नहीं कराया गया है।

जेई के अनमेच्योर बयान पर घमासान

नयी भर्ती वाले जेई के इस अनमेच्योर बयान को सुनकर केडीए वीसी अंकुर कौशिक को जेई संतोष गोंड को स्वर्ण पदक का अवार्ड तो देना ही चाहिए, नहीं तो उन्हें प्रवर्तन जैसे जिम्मेदार विभाग से तत्काल प्रभाव से हटाकर किसी मेच्योर और अनुभवी अभियंता को जोन-1 जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में तैनात करना चाहिए, जिससे केडीए भविष्य में उपहास का पात्र न बन सके। सवाल ये उठता है कि नोटिस काटकर और शमन जमा करवा कर लोगों की जान का सौदा ही असल कार्यवाही है? लोग मरते रहें और केडीए नोटिस काटकर शमन शुल्क वसूलता रहे? मतलब लोगों की जान की कीमत से ज्यादा प्राधिकरण के जिम्मेदारों के लिए शमन शुल्क (राजस्व) की कीमत है? यदि किसी भवन में सेटबैक, पार्किंग, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास अथवा स्वीकृत मानचित्र से जुड़े गंभीर उल्लंघन हैं तो क्या उनका समाधान केवल नोटिस और शमन शुल्क है? यह बेतुका बयान और कार्यवाही का केवल नोटिस तक सीमित रह जाना कहीं न कहीं पूंजीपतियों से सेटिंग और भ्रष्टाचार की आशंकाओं को जन्म देता है। आखिर इन व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का रसूख इतना ज्यादा है कि केडीए सील करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है?

केडीए का प्रवर्तन दस्ता सभी जोनों में प्रभावी कार्रवाई कर रहा : अभय कुमार

वहीं इस पूरे मामले पर कानपुर विकास प्राधिकरण के सचिव अभय कुमार पाण्डेय ने बताया कि केडीए का प्रवर्तन दस्ता सभी जोनों में प्रभावी कार्रवाई कर रहा है। कल भी कई कोचिंगों और अन्य निर्माणों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई है। मानकविहीन निर्माण बख्शे नहीं जाएंगे। शॉपर्स स्टॉप, रिलायंस ट्रेंड्स, रिलायंस डिजिटल, जुडियो, डीआईवाई और आदित्य विजन सभी के खिलाफ कार्रवाई हेतु प्रवर्तन प्रभारी अधिकारी जोन-1ए को निर्देशित किया जा रहा है। फिलहाल लखनऊ अग्निकांड के बाद कानपुर में चल रही कार्रवाई की चर्चा जितनी हो रही है, उससे कहीं अधिक चर्चा इस बात की है कि क्या यह अभियान वास्तव में नियमों का समान रूप से पालन कराने के लिए है या फिर कुछ जगह बुलडोजर और कुछ जगह नोटिस का संतुलन बनाए रखने के लिए। अब निगाहें केडीए के जिम्मेदार अधिकारियों पर हैं। प्रवर्तन का मतलब केवल नोटिस, शमन और प्रेस विज्ञप्ति है या फिर मानकों के विपरीत निर्माणों पर निष्पक्ष, समान और प्रभावी कार्रवाई भी देखने को मिलेगी।

केडीए ने भी की कारवाई पर मंशा पर उठे सवाल

उधर लखनऊ अग्निकांड के बाद नींद से जागे केडीए ने शहर के विभिन्न जोनों में अभियान चलाकर 16 कोचिंग संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सीलिंग की कार्रवाई की। केडीए के अनुसार जोन-1ए में 3, जोन-2बी में 5, जोन-3 में 3 और जोन-4 में 5 प्रतिष्ठानों को सील किया गया। साथ ही 22 अन्य प्रतिष्ठानों को भी चिन्हित किया गया है। लेकिन इस

पूरी कार्रवाई के बीच एक बड़ा सवाल शहरवासियों के मन में लगातार उठ रहा है–क्या केडीए की सख्ती सभी के लिए बराबर है? लखनऊ की एक छोटी बिल्डिंग जिसमें कोचिंग संचालित होती थी उसमें आग लगी तो कानपुर में कुछ कोचिंगों समेत 15-16 स्थानों पर कार्यवाही की बात सामने आ गई। सवाल ये उठता है कि अगर लखनऊ में कोचिंग में आग लगी है तो कानपुर में अब केवल कोचिंगों में ही आग लगेगी? क्या शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पूरी तरह से सुरक्षित हैं या फिर उनकी आग और दुर्घटनाओं से दोस्ती हो गई है?

जिम्मेदार अधिकारी वर्षों से मूंदे थे आंखे

दिलचस्प बात यह है कि जिन भवनों के सामने जिम्मेदार अधिकारी वर्षों से गुजरते रहे, जिनकी ऊंचाई, पार्किंग और व्यावसायिक गतिविधियां किसी से छिपी नहीं थीं, वे अचानक जांच के दायरे में आ गए। सवाल यह भी है कि यदि खतरा था तो पहले कार्रवाई क्यों नहीं हुई और यदि खतरा नहीं था तो अब इतनी हड़बड़ी क्यों? अग्निकांड कोई वीआईपी और आम आदमी में फर्क नहीं करता। आग लगने पर न

तो प्रतिष्ठान का टर्नओवर देखा जाता है और न ही ब्रांड का नाम। ऐसे में सुरक्षा मानकों पर कार्रवाई भी बिना भेदभाव के होनी चाहिए। क्या शॉपर्स स्टॉप को नोटिस थमा देना ही पर्याप्त कार्रवाई है? क्या रिलायंस ट्रेंड्स, रिलायंस डिजिटल, जुडियो, डीआईवाई और आदित्य विजन जैसे प्रतिष्ठानों में केवल कागजी कार्रवाई हुई या वास्तविक निरीक्षण और वैधानिक कार्रवाई भी की गई? शहर में नया भवन निर्माण नियम लागू तो नहीं हो गया–पहले निर्माण करो, फिर शमन करवा लो और अंत में नोटिस को फ्रेम करवाकर दीवार पर टांग लो?

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

देश में बंधुआ मजदूरी मानवीयता पर कलंक

सरकार मजदूरों के लिए बड़ी-बड़ी योजनाओं का बखान करने में थकती नहीं है। पर इसके इतर कुछ ऐसी खबरें भी आती हैं जिनको पढ़कर या सुनकर सरकार के दावे पर हंसी आती है। दरअसल उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरपुर के एक गांव में बंधुआ मजदूरों का मुक्त कराया गया। उनकी पीड़ा सचमुच दिल दहलाने वाली है। पत्तल-दोने बनाने के कारखाने में जितना मेहनताना देने का भरोसा देकर इन मजदूरों को काम पर रखा गया, वह देना तो दूर की बात रही। बल्कि महज एक बार सूखी रोटी देने, मारपीट करने व भागने का प्रयास करने पर खतरनाक पिटबुल डॉग पीछे छोड़ने का कृत्य भी किया जो संवेदनहीनता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा। बंधुआ बनाकर मजदूरी कराना व बच्चों से मजदूरी कराने के साथ उनसे अमानवीय बर्ताव करना तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह सीधा मानवाधिकारों के हनन करने वाला कृत्य भी है। ऐसे में दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित राहत इस दंश से एक हद तक छुटकारा दिलाने वाली हो सकती है।

आजाद भारत में भी गुलामी की ऐसी जंजीरें किसी को भी बांधती नजर आए तो यह शासन-प्रशासन की विफलता ही कही जाएगी। श्रम कानूनों को कठोरता से लागू किया जाए इसके लिए प्रशासनिक उदासीनता तो दूर करने की जरूरत है ही, सरकारों को भी इच्छाशक्ति दिखानी होगी। कमजोर तबके को आर्थिक और शारीरिक शोषण से रोकने के लिए बने सख्त कानून-कायदों के बावजूद आजाद भारत में बंधुआ मजदूरी जारी रहने के ऐसे मामले चिंतित करने वाले हैं। बंधुआ मजदूरी के ऐसे मामले जब भी सामने आते हैं तो यह सवाल जरूर सामने आता है कि आजादी के सात दशक बीत जाने के बावजूद आखिर मजदूरों का यह शोषण क्यों जारी है? जाहिर है कि अशिक्षा और गरीबी दोनों का चक्र बड़ी सामाजिक विषमता के रूप में सामने आ रहा है। बंधुआ मजदूरी की ऐसी पीड़ाजनक तस्वीरें देश के हर हिस्से में गाहे-बगाहे सामने आती रहती है। मुजफ्फरपुर के गांव में जिन श्रमिकों को पुलिस और श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में मुक्त कराया गया, वे राजस्थान, बिहार व हरियाणा से लाए गए थे। ऊंची मजदूरी का झांसा देकर लाए गए इन श्रमिकों को आपस में बात तक नहीं करने दिया जाता था। इनकी घर वापसी की उम्मीदें तक टूट गई थीं। यह सच है कि परिवारों को जब आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है तो मनमानी शर्तों पर काम करना मजबूरी बन जाता है।

“ बंधुआ बनाकर मजदूरी कराना व बच्चों से मजदूरी कराने के साथ उनसे अमानवीय बर्ताव करना तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह सीधा मानवाधिकारों के हनन करने वाला कृत्य भी है। ऐसे में दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ितों को त्वरित राहत इस दंश से एक हद तक छुटकारा दिलाने वाली हो सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भरोसे के संकट को दूर करने की जरूरत

पंकज चतुर्वेदी

सामाजिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत में ज्ञानार्जन की समस्या है, पुस्तक संस्कृति के घटते जाने की समस्या है। हमने 2024 में नीट की परीक्षा आयोजित की। नकल और अवैध तरीकों के इस्तेमाल के कारण परीक्षा की शुद्धता बुरी तरह से प्रभावित हुई और लाखों छात्रों को पुनः परीक्षा देनी पड़ी। यदि इस अनुभव से सबक लेते तो इस बार दोबारा परीक्षाएं आयोजित न करनी पड़ती। लेकिन 2026 में जब फिर नीट परीक्षा आयोजित हुई तो फिर पेपर लीक का मामला उजागर हुआ। इस घटनाक्रम ने देश की पठन-पाठन, शिक्षा प्रणाली और मूल्यांकन की शुचिता के बारे में बड़े सवाल पैदा कर दिए हैं। भारत के युवाओं का भविष्य सटीक ज्ञान के बगैर अधूरा है और चोर गलियों से सफलता के प्रतिमान स्थापित नहीं किए जा सकते। देश में नीट की परीक्षा दूसरी बार जिस तरह आयोजित हुई, जिनकी कल्पना पहले कभी नहीं की गई।

प्रश्न पत्रों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वायुसेना का इस्तेमाल, टेलीग्राम एप को बंद कर देने जैसे उपाय छात्रों को त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में भेजा गया। बायोमीट्रिक जांच हुई, फिजिकल जांच हुई, दूसरे दस्तावेज जांचे गए। सात लाख सुरक्षा कर्मी और पर्यवेक्षक तैनात रहे। हर परीक्षा कक्ष में एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया। करीब 1.38 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरों से 95 हजार कक्षों पर नजर रखी गई और छात्र जाम में न फंसें, इसलिए प्रधानमंत्री भी दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट रुके रहे। इसके बावजूद बिहार में 9 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए ।जिनमें 7 मेडिकल के छात्र थे। सबसे पहले जब पहली बार परीक्षा हुई तो 23 लाख छात्रों ने परीक्षा दी, इस बार दोबारा परीक्षा हुई तो 20 लाख छात्र परीक्षा देने बैठे। पहला सवाल यही है कि दो लाख से अधिक छात्र दोबारा क्यों नहीं बैठे? चाहे रिपोर्ट कहती है कि परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई है और कहीं गड़बड़ी की सूचना नहीं है। लेकिन गड़बड़ी तो पहले ही पैदा हो गई थी जब पहली परीक्षा के बाद दोबारा परीक्षा की घोषणा से पूरे देश में अवसादग्रस्त होकर कई युवा छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

केन्द्र सरकार के दर्जनों मंत्रालयों के साथ राज्य सरकारों व एजेंसियों ने 37 दिनों तक एकजुट होकर काम किया। यह सही है कि परीक्षाएं पूरी तरह से सफल रहने की घोषणाएं की जा रही हैं लेकिन असल में ये कितनी सफल हुई हैं इसका पता तो परिणामों की

घोषणा के साथ ही चलेगा। शिक्षाविदों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि अचानक इतने वर्षों के बाद परीक्षा व्यवस्था इतनी भयावह समस्या क्यों बन गई कि इसके आयोजन के लिए वायुसेना से लेकर लाखों पुलिसकर्मियों की मदद लेनी पड़ी; और इसके बावजूद बड़े पैमाने पर नकल करते हुए छात्र पकड़े जा रहे हैं। क्या इस स्थिति का मूल कारण वर्तमान शिक्षा प्रणाली के प्रति पैदा हुआ अविश्वास है? आज कुछ संस्थाएं परीक्षा की ठेकेदारी कर रही थीं, उन्हीं पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने पेपर लीक किए हैं। क्यों विद्यार्थियों पर इतना अविश्वास किया गया कि उनके परीक्षा केन्द्र बदलकर उन्हें दूर-दूर तक परीक्षा देने जाना पड़ा। जैसे पहले के वर्षों में चलता रहा है क्या उसी तरह से परीक्षाएं उन्हीं केन्द्रों में नहीं करवाई जा सकती थीं, जहां से छात्र संबंध रखते थे। अगर थोड़ा-सा विश्वास वरिष्ठ शिक्षक जनों पर करके परीक्षा प्रणाली को उनके हवाले कर दिया जाता तो शिक्षक अपने पेशे के प्रति ईमानदार होते हुए अपनी अंतरात्मा का हनन कभी नहीं करेंगे अभी भी 90 प्रतिशत शिक्षक ऐसे ही हैं। उन मासूम छात्रों के बारे में सोचा जाए जिन्होंने दिन-रात एक करके पूरी मेहनत से परीक्षाएं दीं लेकिन अचानक उन्हें यह संदेश दिया गया कि पिछली मेहनत व्यर्थ है, अब दोबारा परीक्षा दो। हम समझते हैं कि इस समस्या का समाधान यही है कि परीक्षा लेने वालों और परीक्षा देने वालों पर पूरा विश्वास किया जाए। उनके लिए सुविधाजनक केंद्र बनाए जाएं। तब असामाजिक तत्व सारा तंत्र बिगड़ने पर आमादा हो जाएं तो उन्हें चुनकर बाहर फेंकना आसान हो जाएगा। इस समय परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन की जरूरत है। यह नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, पूरी मेहनत और शिक्षण और शिक्षा के प्रति पूर्ण समर्पण के बिना नहीं हो सकता।

अपराधी तलाश करने की जगह छात्रों की मेहनत और अध्यापकों के नैतिक कर्तव्य पर विश्वास को प्राथमिकता दी जाए तो परीक्षाओं की ईमानदारी से करवाने की इस जटिल गुत्थी को सुलझाने में तनिक भी देर नहीं लगेगी। आने वाला भारत डिजिटल होने जा रहा है। यहां शिक्षा के अलग-अलग आयामों में आमूलचूल परिवर्तन होगा। एआई तकनीकें सामने आ रही हैं। साइबर शक्ति बढ़ रही है। इन्हें सीखने का क्रम चलता रहे और ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो हर वर्ष ऐसे एक देश एक परीक्षा जैसे आयोजन निरापद ढंग से पूरे हो सकेंगे।

लद्दाख की अस्मिता को निगलती पर्यटन संस्कृति

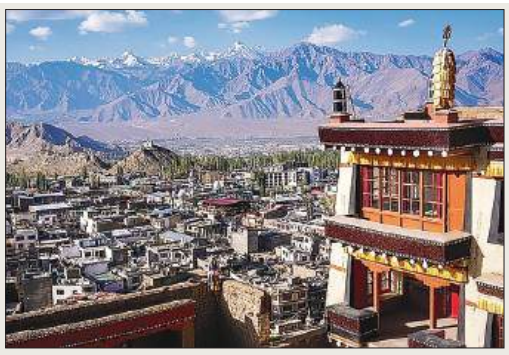

सुरेश सेठ

लेह प्रशासन बड़े गर्व से बता रहा है कि पिछले साल की तुलना में इस बार लेह-लद्दाख में 44 फीसदी अधिक पर्यटक आए। हिमालय की गोद में बसा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख पिछले कुछ सालों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। हर साल गर्मी का मौसम आते ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। पर्यटन ने प्रदेश की आमदनी में उल्लेखनीय इजाफा किया है। लेकिन इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। विडंबना यह है कि जिसे कभी 'शांग्री-ला' यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली के संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है। लेह-लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गए हैं और इनमें से 60 फीसदी लेह शहर में हैं।

चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं और उन्हें कम से कम दो दिन वहीं रुकने की सलाह दी जाती है ताकि उनका शरीर वहां के परिवेश के अनुरूप खुद को ढाल सके, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आए लोगों का बोझ सदा बना रहता है, जिनमें 50 हजार तो प्रवासी मजदूर ही हैं। जान लें इस इलाके में कहीं हरियाली दिखती नहीं। यह बर्फीला रेगिस्तान है। समुद्र तल से कोई 11 हजार फुट ऊपर बसे लेह में यहां सालाना बारिश मात्र 10 सेंटीमीटर होती है। लेह शहर में सिंधु नदी से पानी की आपूर्ति होती है लेकिन इतने सारे होटल बोरवेल पर निर्भर हैं। लद्दाख इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। शीत मरुस्थल होने के कारण लद्दाख हमेशा से पानी के लिए ग्लेशियरों के पिघलने और सीमित बर्फबारी पर निर्भर रहा है। पारंपरिक रूप से लद्दाख के लोग शुष्क शौचालयों का उपयोग करते थे, जिसमें पानी की आवश्यकता नहीं होती थी। लेकिन पर्यटकों की आधुनिक सुविधाओं और होटलों की मांग के कारण पारंपरिक व्यवस्था की जगह 'फ्लश टॉयलेट' ने ले ली है।

एक स्थानीय लद्दाखी जहां गर्मियों में औसतन 21 लीटर पानी का उपयोग करता है, वहीं एक पर्यटक प्रतिदिन करीब 75 लीटर पानी सोख लेता है। लेह में होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ-साथ टैंकरों के जरिए जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है। दरअसल, पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। हालांकि अभी लेह प्रशासन ने समूचे इलाके में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के आदेश जारी किये हैं लेकिन अभी उसका कोई जमीनी असर दिख नहीं रहा। टूरिस्ट सीजन में लेह पर करीब 247 टन कचरे का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता है। म्युनिसिपल कमेटी के अनुसार सर्दियों में कचरे की मात्रा गर्मियों की तुलना में सिर्फ 25 प्रतिशत ही रह जाती है। यह समस्या तब और विकराल हो जाती है जब लद्दाख की भौगोलिक ऊंचाई और कड़ाके की ठंड इसमें अड़चनें पैदा करती हैं।

यद्यपि साल 2020 में स्कम्पारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, लेकिन शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है। एक तरफ बढ़ते पर्यटक हैं और फिर उनकी सुविधाओं के लिए बिजली की मांग बढ़ती है वहीं लद्दाख के पास अपनी सीमित पनबिजली और सौर ऊर्जा प्रणालियां हैं, जो इस अचानक बढ़ी मांग को पूरा करने में हांफने लगती हैं। गर्मियों में जब होटलों, रेस्टोरेंट्स और होमस्टे में पर्यटकों की भीड़ होती है, तब बिजली की मांग अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाती है। पीक सीजन में इस कमी को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर डीजल जेनरेटरों का सहारा लिया जाता है। ये जेनरेटर न केवल भारी मात्रा में ईंधन की खपत करते हैं, बल्कि लद्दाख की शांत और स्वच्छ हवा में लगातार कार्बन और कानफोड़ू शोर घोलते रहते हैं।

बिजली के इस अस्थायी और प्रदूषणकारी विकल्प ने शांत वादियों के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस पूरे संकट में वाहनों से निकलने वाला धुआं आग में घी का काम कर रहा है। पैंगोंग त्सो, नुब्रा वैली और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की यात्रा के लिए हर दिन सैकड़ों डीजल चालित एसयूवी, टैक्सियां और कमर्शियल गाड़ियां लेह की सड़कों से गुजरती हैं। इन जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के अनियंत्रित काफिलों के कारण लेह में न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है, बल्कि इनसे निकलने वाला काला कार्बन (सूट) और धुआं हवा को प्रदूषित कर रहा है। यह काला कार्बन हवा में तैरकर आसपास के ग्लेशियरों पर जमा हो रहा है। ग्लेशियरों की सतह काली होने के कारण वे सूरज की रोशनी को परावर्तित करने के बजाय अधिक गर्मी सोख रहे हैं, जिससे उनके समय से पहले और तेजी से पिघलने का खतरा पैदा हो गया ।

गर्मी में इन खाद्य पदार्थों से रहें दूर

सबसे देर में पचता है ये भोजन

गर्मी के मौसम में बढ़ता तापमान सिर्फ शरीर को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि हमारे पाचन तंत्र पर भी गहरा असर डालता है। इस मौसम में खाना जल्दी खराब होना, भूख कम लगना और भारी भोजन पचाने में दिक्कत होना आम समस्या बन जाती है। जब शरीर पहले से ही गर्मी से जूझ रहा होता है, तब कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं जो पचने में ज्यादा समय लेते हैं और पेट पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। इसका नतीजा होता है अपच, गैस, एसिडिटी और सुस्ती जैसी परेशानियां। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि कौन से फूड्स गर्मियों में भारी पड़ सकते हैं और उनकी जगह किन हल्के और हेल्दी विकल्पों को अपनाया जा सकता है। सही खानपान न सिर्फ पाचन को बेहतर बनाता है बल्कि शरीर को ठंडा और एनर्जेटिक भी रखता है।

ज्यादा मसालेदार खाना

बहुत ज्यादा तीखा और मसालेदार भोजन गर्मियों में शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे खाने से पेट में जलन, एसिडिटी और पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। गर्म मौसम में हल्के मसालों जैसे जीरा, धनिया और हल्दी वाला खाना ज्यादा बेहतर माना जाता है। घर का सादा और संतुलित भोजन न सिर्फ पाचन को आसान बनाता है बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है।

रेड मीट

रेड मीट यानी कि मटन में प्रोटीन और फैट की मात्रा अधिक होती है, जिसे पचाने में शरीर को ज्यादा समय और ऊर्जा लगती है। गर्मियों में इसका सेवन करने से पेट भारी महसूस हो सकता है और सुस्ती भी आ सकती है। इसके मुकाबले चिकन, मछली या दालें हल्की होती हैं और आसानी से पच जाती हैं, जिससे शरीर को पर्याप्त पोषण भी मिलता है और पाचन तंत्र पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।

डेयरी हैवी प्रोडक्ट्स

फुल क्रीम दूध, भारी क्रीम, चीज और अन्य डेयरी उत्पाद गर्मियों में पचने में कठिन होते हैं। ये फूड्स शरीर में भारीपन पैदा कर सकते हैं और कई लोगों में गैस या अपच की समस्या बढ़ा सकते हैं। इसके बजाय दही, छाछ और लो-फैट दूध जैसे हल्के विकल्प शरीर को ठंडक देते हैं और पाचन को भी बेहतर बनाते हैं।

तला-भुना और और प्रोसेस्ड फूड

समोसा, पकौड़ी, फ्राइड स्नैक्स और अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ गर्मियों में पाचन तंत्र पर भारी पड़ते हैं। इन फूड्स में ज्यादा तेल और फैट होता है, जिसे पचाने के लिए शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। इसकी जगह हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन जैसे उबली हुई सब्जियां, ताजे सलाद, अंकुरित अनाज और भुना हुआ चना अधिक फायदेमंद होता है, जो शरीर को ऊर्जा भी देता है और पाचन को भी बेहतर रखता है। वहीं बर्गर, पिज्जा, चिप्स और पैकेज्ड फूड में प्रिजर्वेटिव्स और अनहेल्दी फैट की मात्रा ज्यादा होती है। ये खाद्य पदार्थ न केवल पचने में भारी होते हैं बल्कि शरीर में टॉक्सिन भी बढ़ा सकते हैं। जो हमारे शरीर के लिए काफी नुकसानदायक होता है। इनकी जगह ताजे फल, सलाद और घर का बना हल्का खाना ज्यादा फायदेमंद होता है, जो शरीर को पोषण भी देता है और पाचन को भी आसान बनाता है। वहीं जंक फूड खाने की वजह से दातों में सड़न की समस्या भी पैदा हो सकती हैं। क्योंकि जंक फूड अधिकतर दांत के चिपक जाते है। जिस कारण धीरे -धीरे दांत खराब होने लगते है।

हंसना मना है

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची। बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना। फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा, लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा। औरत ने पूछा- कितना खर्च आएगा? बाबा- तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता, लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना। औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख रुपये आता था, औरत भी चालाक थी। उसने कहा ठीक है बाबाजी, आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए, मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी। बाबा डेरे में ही बेहोश हो गए।

पड़ोसन- बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा? दूसरी महिला- ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना, पड़ोसन- अभी अपने पति से रूठ जाती हूं।

पप्पू साइकिल से जा रहा था। अचानक एक लड़की से भिड़ गया। लड़की — घंटी नहीं मार सकता था, पप्पू — अबे मैंने पूरी साइकिल मार दी, अब क्या घंटी अलग से मारूं।

कहानी | कठिनाइयों में शांत रहना, वास्तव में शांति है

एक राजा को चित्रकला से बहुत प्रेम था। उसने घोषणा की कि जो चित्रकार शांति को दर्शाता चित्र बनाएगा उसे मुंह मांगा पुरस्कार देगा। कई चित्रकार अपने चित्र लेकर राजा के पास पहुंचे उनमें से दो चित्रों को अलग रखवा दिया। पहले चित्र में झील का पानी इतना स्वच्छ था कि उसके अंदर की सतह तक दिखाई दे रही थी। आस-पास विद्यमान हिमखंडों की छवि उस पर ऐसे उभर रही थी मानो कोई दर्पण रखा हो। ऊपर की ओर नीला आसमान और रुई के गोलों के सामान सफ़ेद बादल तैर रहे थे। सभी ने कहा वास्तव में यही शांति का एक मात्र प्रतीक है। दूसरे चित्र में भी पहाड़ थे, इन पहाड़ों के ऊपर घने गरजते बादल थे जिनमें बिजलियां चमक रहीं थीं, घनघोर वर्षा होने से नदी उफान पर थी, तेज हवाओं से पेड़ हिल रहे थे और पहाड़ी के एक ओर स्थित झरने ने रौद्र रूप धारण कर रखा था। सभी को उम्मीद थी कि पहले चित्र को ही पुरस्कार मिलेगा। तभी राजा ने घोषणा की कि दूसरा चित्र बनाने वाले चित्रकार को वह मुंह मांगा पुरस्कार देंगे। पहला चित्रकार बोला- महाराज उस चित्र में ऐसा क्या है जो आपने उसे पुरस्कार देने का फैसला लिया, राजा बोले- झरने के बायीं ओर हवा से एक ओर झुके इस वृक्ष को देखो। उसकी डाली पर बने उस घोंसले को देखो, कैसे एक चिड़िया इतनी कोमलता से, इतने शांत भाव व प्रेमपूर्वक अपने बच्चों को भोजन करा रही है। फिर राजा ने कहा कि शांत होने का अर्थ यह नहीं है कि आप ऐसी स्थिति में हों जहां कोई शोर नहीं हो, कोई समस्या नहीं हो, जहां कड़ी मेहनत नहीं हो, शांत होने का सही अर्थ है कि आप हर तरह की अव्यवस्था, अशांति, अराजकता के बीच हों और फिर भी आप शांत रहें, अपने काम पर केंद्रित रहें अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। अब सभी समझ चुके थे कि दूसरे चित्र को राजा ने क्यों चुना है। हर कोई अपने जीवन में शांति चाहता है। परंतु प्रायः हम शांति को कोई बाहरी वस्तु समझ लेते हैं, और उसे दूरस्थ स्थलों में ढूंढते हैं, जबकि शांति पूरी तरह से हमारे मन की भीतरी चेतना है। और सत्य यही है कि सभी दुःख-दर्दों, कष्टों और कठिनाइयों के बीच भी शांत रहना ही वास्तव में शांति है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी से बचें।

कर्क

आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा।

वृश्चिक

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

लेन-देन में जल्दबाजी न करें, सावधानी रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। समय का लाभ लें।

कुम्भ

किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन

कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। समय अनुकूल है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म शमशेरा के लिए मुझे बुलाया था पांच दिन के लिए, शूटिंग करने को मिली सिर्फ दो दिन : युद्धवीर

युद्धवीर अहलावत के अभिनय के कायल सैफ अली खान हो गए थे। दोनों ने सीरीज 'कर्तव्य' में साथ काम किया था। इस सीरीज के बाद युद्धवीर को अलग पहचान भी मिली। लेकिन इससे पहले बॉलीवुड में उनके साथ जो व्यवहार हुआ, उसे वह भूल नहीं पाते हैं। हालिया एक इंटरव्यू में युद्धवीर ने अभिनय के शुरुआती दिनों को याद किया और अपने साथ हुए खराब व्यवहार का भी जिक्र किया। कड़क नाम के पॉडकास्ट में युद्धवीर बताते हैं कि उनको शक्ल-सूरत के लिए स्कूल, कॉलेज में काफी परेशान किया जाता था। दरअसल, युद्धवीर का कद छोटा है। वह कहते हैं, 'अब हालात बदल गए हैं, लेकिन उस समय मुझे परेशान किया जाता था। स्कूल और कॉलेज में भी दूसरे लड़के मुझसे लंबे थे और मेरा मजाक उड़ाते थे। आगे युद्धवीर बॉलीवुड में हुए बुरे अनुभव का भी जिक्र करते हैं। वह कहते हैं, 'मुझे बताया गया था कि यशराज फिल्म्स की मूवी 'शमशेरा' के लिए 22 दिन शूटिंग करूंगा। लेकिन उन्होंने मुझे सिर्फ पांच दिन के लिए बुलाया। उनमें से तीन दिन तो मैं वैनिटी वैन में ही बैठा रहा और सिर्फ दो दिन शूटिंग की। आखिर में मैं फिल्म के सिर्फ एक सीन में दिखा। शुरू में मुझे एक अलग किरदार के लिए साइन किया गया था, लेकिन बाद में वह रोल किसी और एक्टर को दे दिया गया। इसी तरह अनिल कपूर की फिल्म थार के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। फिल्म के लिए साइन तो किया गया था, लेकिन एडिटिंग के दौरान किरदार पूरी तरह से हटा दिया गया।'

फराह खान को मिला ऑस्कर्स का खास बुलावा, बनीं एकेडमी मेंबर

फिल्ममेकर फराह खान इन दिनों शो लॉकअप सीजन 2 होस्ट करती नजर आ रही हैं। इस बीच उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर खास जानकारी फैंस को दी है, जो कि हॉलीवुड से जुड़ी हुई है। दरअसल, फराह खान को 'एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज' ने साल 2026 की मेंबरशिप के लिए इनवाइट किया है। इस खबर से खुश होकर फराह खान ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह इस सम्मानित ग्रुप का हिस्सा बनकर 'बहुत खुश और गर्व महसूस कर रही हैं।'हर साल एकेडमी दुनियाभर के कलाकारों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को अपने मेंबर के रूप में शामिल करती है। इस साल कुल 529 लोगों को इनवाइट भेजा गया है, जिसमें फराह खान भी शामिल हैं। अब वह ऑस्कर अवॉर्ड्स के वोटिंग प्रोसेस का हिस्सा बन सकेंगी।

फराह खान के अलावा इस लिस्ट में कई और भारतीय नाम भी शामिल हैं। इनमें मशहूर फिल्ममेकर विशाल भारद्वाज का नाम है, जो 'मकबूल', 'ओमकारा' और 'हैदर' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।

इसके साथ ही दिग्गज एडिटर ए. श्रीकर प्रसाद और दीपा भाटिया को भी इनवाइट मिला है। दीपा भाटिया ने 45 साल से ज्यादा लंबे करियर में 'आरआरआर', 'दिल चाहता है', 'साथिया', 'तारे ज़मीन पर', 'रॉक ऑन!!', 'माय नेम इज़ खान' और 'काय पो छे' जैसी फिल्मों में काम किया है।

इस लिस्ट में कॉस्ट्यूम डिजाइनर एका लखानी, कास्टिंग डायरेक्टर दिलीप शंकर और डॉक्यूमेंट्री फिल्ममेकर शालिनी कांतैया का नाम भी शामिल है।

इसके अलावा भारतीय फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कुछ और प्रोफेशनल्स को भी इनवाइट मिला है। इनमें एनीमेशन कैटेगरी में अवनीत कौर, प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी में राजेश रामचंद्रन, और विजुअल इफेक्ट्स में बेकी ग्राहम और जय मेहता शामिल हैं।

इस इनवाइट को स्वीकार करने के बाद ये सभी लोग दुनिया के करीब 11,000 से ज्यादा एकेडमी मेंबर्स का हिस्सा बन जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें ऑस्कर अवॉर्ड्स में वोट देने का अधिकार भी मिलेगा, जिससे वे नॉमिनेशन और विनर्स चुनने में हिस्सा ले सकेंगे।

अल्फा की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं सरवरी वाघ

शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 3 जुलाई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में आलिया भट्ट और वह एक्शन रोल में नजर आई हैं। फिल्म की रिलीज से पहले शरवरी वाघ ने सोशल मीडिया पर अपनी वर्कआउट करते हुए तस्वीरें शेयर की हैं।

शरवरी वाघ ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि वह डंबल लिए हुए नजर आ रही हैं। कई दूसरी तस्वीरों में वह व्यायाम करती हुई दिख रही हैं।

शरवरी वाघ ने भूरे रंग की ड्रेस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा बड़े दिन से पहले, हफ्ते के बीच में मोटिवेशन! अल्फा की रिलीज में दो दिन बाकी हैं। शरवरी की तस्वीरों पर कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा बहुत ही सुडौल बॉडी। एक दूसरे यूजर ने लिखा ईमानदारी से कहूं तो मैं आपसे प्यार करती हूं। एक और यूजर ने लिखा आप बहुत मजबूत हैं। एक और यूजर ने लिखा यह आसान काम नहीं है। बहुत कठिन काम है।

ख्याल रहे कि फिल्म अल्फा 3 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल अहम किरदारों में हैं। 'अल्फा' यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म है।

अजब-गजब | फिटनेस को लेकर बेहद जुनूनी हैं यहां की लड़कियां

यहां दूर-दूर से मार खाने आती हैं लड़कियां, बॉडी पर पड़ जाते हैं निशान, शौक से तुड़वाती हैं हड्डियां!

चीन की युवा पीढ़ी फिटनेस और सेल्फ डिफेंस को लेकर बेहद जुनूनी है। लेकिन कुछ लड़कियां सामान्य जिम या योग की बजाय बेहद कठिन और दर्द भरे ट्रेनिंग को चुन रही हैं। चीन में 'पेन जोन' नाम का एक स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर चल रहा है जहां लड़कियां शौक से मार खाने आती हैं।

पेन जोन क्या है?

यह एक खास कुंग फू ट्रेनिंग सेंटर है जहां एडमिशन लेने के लिए पहले उम्मीदवार को शारीरिक परीक्षा से गुजरना पड़ता है। शिफू (मास्टर) और उनके सहयोगी लाठी-डंडों, घूसों और लातों से लड़कियों को बुरी तरह पीटते हैं। कई लड़कियों की बॉडी नीली पड़ जाती है, कुछ की हड्डियां तक चोटिल हो जाती हैं। फिर भी ये लड़कियां दर्द सहकर ट्रेनिंग जारी रखती हैं। एक लड़की ने सोशल मीडिया पर लिखा, Welcome to pain zone – My second month of practicing Kung Fu with Shifu। वीडियो में वह मार खाते हुए भी मुस्कुराती नजर आई।

ट्रेनिंग का मकसद

इस ट्रेनिंग का उद्देश्य लड़कियों को सिर्फ शारीरिक रूप से नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी इतना मजबूत बनाना है कि कोई भी मुश्किल उन्हें तोड़ ना सके। कुंग फू की पारंपरिक ट्रेनिंग में दर्द सहना बहुत जरूरी माना जाता है। जो लड़कियां इस पेन जोन को पूरा कर लेती हैं, उन्हें आगे प्रोफेशनल कुंग फू, सेल्फ डिफेंस और कॉम्पिटिशन लेवल की ट्रेनिंग दी जाती है। यह सेंटर सिर्फ लोकल लड़कियों तक सीमित नहीं है। चीन के अलग-अलग शहरों और यहां तक कि दूसरे देशों से भी लड़कियां यहां ट्रेनिंग लेने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो देखकर कई लड़कियां प्रेरित हो रही हैं। चीन में कुंग फू सिर्फ मार्शल आर्ट नहीं बल्कि जीवनशैली है। युवा पीढ़ी खासकर लड़कियां सेल्फ डिफेंस, फिटनेस और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए कुंग फू सीख रही हैं। पेन जोन जैसे सेंटर इस ट्रेंड को और बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसी एक्सट्रीम ट्रेनिंग में गंभीर चोट लगने का खतरा हमेशा रहता है। कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि बिना सही देखरेख के हड्डियां तुड़वाना या बार-बार चोट खाना लंबे समय में नुकसानदायक हो सकता है। लेकिन प्रशंसक इसे No pain, no gain का बेहतरीन उदाहरण मानते हैं।

ये है दुनिया का सबसे स्मार्ट शिकारी, जाल लेकर करता है शिकार, इसके चंगुल से बचना नामुमकिन!

प्रकृति ने हर जीव को जीवित रहने के लिए खास हथियार दिए हैं। कुछ तेज दांत, कुछ तेज नाखून तो कुछ बुद्धिमानी के साथ पैदा हुए हैं। लेकिन पेलिकन इन सबसे अलग है। इसे दुनिया के सबसे स्मार्ट शिकारियों में से एक माना जाता है। इसका हथियार है उसकी विशाल चोंच के नीचे मौजूद लचीली थैली जिसे गुलार पाउच कहा जाता है। यह थैली एक बार में 11 लीटर तक पानी भर सकती है। पेलिकन मुख्य रूप से मछली खाने वाला पक्षी है। शिकार के समय यह पानी के ऊपर उड़ता है या सतह पर तैरता है। फिर अचानक गोता लगाकर चोंच खोल देता है। विशाल थैली पानी और मछलियों को एक साथ निगल लेती है। इसके बाद पेलिकन सिर को ऊपर उठाकर अतिरिक्त पानी बाहर निकाल देता है और मछलियों को निगल जाता है। यह प्रक्रिया इतनी तेज और सटीक होती है कि मछली के लिए बच निकलना लगभग नामुमकिन हो जाता है। कई प्रजातियों के पेलिकन टीम में शिकार करते हैं। वे पानी में एक घेरा बनाकर मछलियों को एक जगह इकट्ठा करते हैं और फिर सामूहिक रूप से हमला बोलते हैं। यह टीमवर्क उन्हें और भी खतरनाक बनाता है। पेलिकन की थैली सिर्फ शिकार का साधन नहीं है। गर्म मौसम में यह पंखे की तरह काम करती है। पक्षी थैली को हिलाकर हवा का प्रवाह बढ़ाता है जिससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। वैज्ञानिक इसे नेचर का पर्सनल एयर कंडीशनर भी कहते हैं। पेलिकन की अन्य खासियत है उसका बड़ा आकार। कुछ प्रजातियों का वजन 10-12 किलोग्राम तक हो सकता है। इनकी 2ingspan (पंखों का फैलाव) 3 मीटर तक पहुंच सकती है। ये लंबी दूरी तक उड़ सकते हैं और प्रवास के दौरान हजारों किलोमीटर तय करते हैं। पेलिकन मछली के अलावा छोटे जीव, मेंढक और कभी-कभी छोटे पक्षियों को भी शिकार बनाते हैं। इनका औसत जीवनकाल 15-25 वर्ष तक होता है। भारत में स्पॉटेड बिल्ड पेलिकन और ग्रेट व्हाइट पेलिकन जैसी प्रजातियां पाई जाती हैं। केरल, आंध्र प्रदेश, राजस्थान के झील क्षेत्रों और बर्ड सैंक्चुअरी में इनको देखा जा सकता है। इनकी उपस्थिति पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत का संकेत मानी जाती है। पेलिकन प्रदूषण, हैबिटेट लॉस और मछली पालन में होने वाली दिक्कतों से प्रभावित हो रहे हैं। कई देशों में इनकी संख्या घट रही है। भारत में भी वन्यजीव अभयारण्यों में इनकी सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है।

लखनऊ में जांबाज आईपीएस के दम से अपराधियों के हौसले पस्त

अंतरराष्ट्रीय ठगी नेटवर्क का भंडाफोड़

» लखनऊ पुलिस का अब तक का सबसे बड़ा साइबर स्ट्राइक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अपराधियों हौसले बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि पुलिस समय-समय पर कार्रवाई भी करती रहती है। इस बार जांबाज महिला आईपीएस किरन यादव ने अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क को पकड़ा है। अब साइबर अपराध के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

गोमतीनगर स्थित समिट बिल्डिंग में संचालित फर्जी कॉल सेंटर पर आधी रात की गई सुनियोजित छापेमारी में 119 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। शुरुआती जांच में इस गिरोह के तार कई देशों तक जुड़े होने की बात सामने आई है।

विदेशी नागरिकों को झांसा देकर ठगते थे करोड़ों रुपये

बताया जा रहा है कि यह संगठित गिरोह फर्जी कॉल सेंटर के जरिए विदेशों के नागरिकों को तकनीकी सहायता, बैंकिंग और अन्य सेवाओं के नाम पर झांसा देकर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे रहा था। पुलिस को आशंका है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और इसका संचालन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जा रहा था।

आरोपियों से पूछताछ

फिलहाल पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी है। इस हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन के संबंध में जल्द ही विस्तृत प्रेस वार्ता कर कई अहम खुलासे किए जाने की संभावना है।

119 से अधिक लोग हिरासत में

सूत्रों के अनुसार, बरामद डिजिटल उपकरणों की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस गिरोह के सरगनाओं, विदेशी संपर्कों, बैंक खातों, डिजिटल वॉलेट और हवाला के जरिए हुए लेनदेन की भी गहन पड़ताल कर रही है। जांच एजेंसियों को इस कार्रवाई से कई बड़े खुलासों की उम्मीद है।

एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में बड़ी कामयाबी

यह पूरी कार्रवाई एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच तथा कई थानों की संयुक्त पुलिस टीम ने देर रात अंजाम दी। पुलिस ने समिट बिल्डिंग को चारों ओर से घेरकर दबिश दी और मौके से बड़ी संख्या में संदिग्धों को हिरासत में लिया। साथ ही कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, सर्वर, हार्ड डिस्क सहित बड़ी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और डिजिटल साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2021 बैच की आईपीएस अधिकारी और एडीसीपी क्राइम किरन यादव के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई को लखनऊ पुलिस की हालिया सबसे बड़ी साइबर अपराध विरोधी कार्रवाई माना जा रहा है।

अनिल और गोपाल पर एफआईआर के लिए वकीलों ने दी तहरीर: चंपत

» राम मंदिर चढ़ावा चोरी में जांच जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में नया मोड़ आया है। फैजाबाद बार एसोसिएशन के सदस्य गुरुवार को राम जन्मभूमि थाने पहुंचे। सभी ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा और व्यवस्थापक गोपाल राव के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के लिए तहरीर (शिकायत पत्र) सौंपी।

इससे पहले फैजाबाद बार एसोसिएशन के सदस्यों ने आज दान की कथित चोरी के मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन जाने से पहले बार एसोसिएशन हॉल में एक बैठक की।

शिकायत में चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के नाम शामिल हैं। अयोध्या, उत्तर प्रदेश फैज़ाबाद बार एसोसिएशन के सदस्य राम मंदिर में दान की कथित चोरी के मामले में एफआई दर्ज कराने के लिए राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन पहुँचे। शिकायत में चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के नाम शामिल हैं।

ऐसे कौन से नाम हैं जिनसे बृजभूषण शरण सिंह को भी खतरा : केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी के नेता और कैसरगंज से लोकसभा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का ज़िक्र करते हुए बड़ा सवाल किया है। उन्होंने कहा कि इनके एक बड़े नेता हैं बृजभूषण, उनका कहना है कि अगर मैंने मुंह खोला तो बड़े बड़े नाम आएंगे और मुझे खतरा है, ऐसे कौन से नाम है जिनका नाम बृजभूषण को भी खतरा है, बाबा बागेश्वर भी कह रहे हैं कि बड़े नाम शामिल हैं, नाम लिया तो मुझ पर आंच आ सकती है। ताकतवर लोग भी नाम लेने से डर रहे हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मैच बारिश में धुला

» अभिषेक और श्रेयस ने लगाए अर्धशतक, सैमसन फिर फ्लॉप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेस्टर ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी20 मैच बेनतीजा रहा। बारिश के कारण इंग्लैंड की पारी शुरू नहीं हो सकी और अंततः मैच को रद्द करना पड़ा। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारत ने अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 189 रन बनाए। भारत की पारी जब खत्म होने वाली थी तभी बारिश शुरू हो गई थी, लेकिन इंग्लैंड की पारी शुरू होने से पहले बारिश तेज हो गई जिससे मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और मैच का नतीजा नहीं निकल सका। दोनों टीमों के बीच दूसरा टी20 चार जुलाई को मैनचेस्टर में खेला जाएगा।

भारत ने इस मैच में भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू करने का मौका नहीं दिया। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 से मिली हार के बाद ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि वैभव को मौका मिलेगा, लेकिन श्रेयस अय्यर ने कोर टीम पर भरोसा बरकरार रखा। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे मैच से डेब्यू करने वाले तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और सूर्यांश शेडगे को इस मैच में मौका नहीं मिला था। भारत ने इस मैच के लिए तीन स्पिनरों अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती को प्लेइंग-11 में शामिल किया था। इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने दूसरे ओवर में ही संजू सैमसन और ईशान किशन के विकेट गंवा दिए। इसके बाद अभिषेक ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर 20 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। अभिषेक और श्रेयस के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई। भारत के लिए श्रेयस ने 68 रन बनाए। वहीं, अभिषेक ने 59 रन की पारी खेली। इन दोनों के अलावा शिवम दुबे 42 रन बनाकर नाबाद रहे।

अभिषेक बने सबसे कम गेंदों में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज

चेस्टर ली। भारतीय टीम के युवा विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अभिषेक अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम गेंदों पर 100 छक्के पूरे करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में वेस्टइंडीज के एविन लुईस और न्यूजीलैंड के फिन एलन जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक ने यह उपलब्धि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान हासिल की। अभिषेक ने केवल 785 गेंदों में 100 छक्के पूरे किए। इस प्रारूप में अभिषेक से पहले किसी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों पर टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 छक्के पूरे नहीं किए थे।

महाराष्ट्र सरकार भारी विरोध के बाद हजूर साहिब विधेयक पर पीछे हटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सिख समुदाय के कड़े विरोध के बीच महाराष्ट्र सरकार ने तख्त सचखंड श्री हजूर अबचलनगर साहिब से जुड़े प्रस्तावित संशोधन विधेयक को फिलहाल स्थगित कर दिया है। अब इसे विधानसभा में पेश नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सिख नेताओं को आश्वस्त किया है कि सिख विद्वानों, धार्मिक संस्थाओं और अन्य हितधारकों से चर्चा के बाद ही सरकार इस मामले में आगे बढ़ेगी। महाराष्ट्र सरकार तख्त सचखंड श्री हजूर अबचलनगर साहिब एक्ट, 1956 में संशोधन कर नया कानून लाने की तैयारी कर रही थी। प्रस्तावित विधेयक के तहत मौजूदा नांदेड़ सिख गुरुद्वारा सचखंड श्री हजूर अबचलनगर साहिब एक्ट-1956 को निरस्त किया जाना था।

सिख संगठनों और शिरोमणि गुरुद्वारा

» फिलहाल विधानसभा में नहीं होगा पेश

प्रबंधक कमेटी ने आरोप लगाया था कि नए कानून के जरिए सरकार गुरुद्वारा बोर्ड के प्रशासनिक कामकाज में हस्तक्षेप बढ़ाना चाहती है। बोर्ड के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नामांकन संबंधी प्रावधानों में भी सरकारी दखल की आशंका जताई गई थी। तख्त श्री हजूर साहिब के सेवादारों ने इसके विरोध में गुरमता भी जारी किया था। लगातार विरोध के बाद सरकार ने विधेयक को फिलहाल रोक दिया है। अब 1956 का मौजूदा कानून ही लागू रहेगा। सरकार इस मुद्दे पर सिख विद्वानों, धार्मिक संस्थाओं और अन्य पक्षों से संवाद के लिए एक उच्चस्तरीय समिति भी गठित करेगी।

टीवीके विधायक के खुलासे से मचा बवाल

» विजय सरकार गिराने के लिए 35 करोड़ की पेशकश, जांच में सामने आये बड़े नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। विधानसभा स्पीकर प्रभाकर के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। यह साजिश तब सामने आई जब तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के विधायक एन. एलैयाराजा ने आरोप लगाया कि उन्हें स्पीकर के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। सत्ता में सिर्फ़ दो महीने रहने के बाद, तमिलनाडु में विजय की सरकार को गिराने की एक कथित साज़िश का पता चला है। बुधवार को तीन आरोपियों की गिरफ़्तारी के साथ यह मामला सामने आया।

आरोप है कि डीएमके नेताओं ने टीवीके विधायकों को विधानसभा स्पीकर जेसीडी प्रभाकर के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। यह साजिश तब सामने आई जब इलायराजा ने 29 जून को चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के अनुसार, थिरुनावुक्कारासु नाम के एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि वह इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रेटेजीज़नाम की एक ओपिनियन पोलिंग संस्था का प्रमुख है। उसने कथित तौर पर विधायक से कहा कि वह एक बड़ी राजनीतिक पार्टी के सदस्यों की ओर से बात कर रहा है। इलायराजा ने आरोप लगाया कि कॉलर ने उन्हें बताया कि जल्द ही तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया जाएगा और उनसे आग्रह किया कि वे सत्ताधारी टीवीके के विधायक होने के बावजूद इसके पक्ष में वोट करें।

पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके भाई का नाम शामिल

तमिलनाडु पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में तीन लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, जांचकर्ताओं को डीएमके के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी. अशोक कुमार के साथ कथित संबंध भी मिले हैं। पुलिस का दावा है कि अशोक कुमार चेन्नई में आरोपियों में से एक, नरेश से मिले थे। जांचकर्ताओं का यह भी आरोप है कि थिरुनावुक्कारासु ने सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार के कहने पर इलैयाराजा से संपर्क किया था। अधिकारियों ने यह भी कहा कि इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार को गिराने की कोशिश में कम से कम 15 टीवीके विधायकों को तोड़ने की कथित योजना थी। जांच जारी है और पुलिस ने संकेत दिया है कि जांच का दायरा सेंथिल बालाजी और अशोक कुमार तक भी बढ़ सकता है।

महाराष्ट्र में सियासी टाइगर पर भारी पड़े शेर

» शिवसेना यूबीटी में एक और टूट,एनसीपी-एसपी का कांग्रेस में विलय पर संशय

» आदित्य ठाकरे के बयान के बाद सियासी घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में ये उथल-पुथल का दौर है। वहां के लोग चर्चा कर रहे लगता अब भी टाइगर जिंदा है। अर्थात वहां पर ऑपरेशन टाइगर जारी है। जहां उद्धव ठाकरे की शिवसेना एक बार फिर टूट गई। इस टूट ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली तक राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। इनसबके बीच शरद पवार व आदित्य ठाकरे शिंदे गुट व भाजपा को एकबार फिर अपने दम से दिखा दिया है कि वो आज भी मराठा शेर हैं।

शिंदे की शिवसेना अब लोस में महाराष्ट्र की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। जिस तरह से उद्धव की शिवसेना टूटी है, उसके बाद अब शरद पवार की एनसीपी चर्चा में आ गई है। कई लोग कह रहे हैं कि क्या अगला नंबर एनसीपी (एसपी) का है? वहीं शिवेसना सेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने वाराणसी से लड़ने की बात कह कर सियासी हलचल मचा दी है।

विलय पर कोई बात नहीं : सुप्रिया सुले

हालांकि इसके साथ ही एक और चर्चा तेज है कि क्या कांग्रेस और शरद पवार की पार्टी का विलय होगा। इस सवाल को लेकर सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, पिछले 25 सालों से कांग्रेस हमारा मित्र पक्ष रहा है, लेकिन अभी तक ना ही कांग्रेस की तरफ से और ना ही हमारी तरफ से विलय का कोई प्रस्ताव है।

विलय की बातें सिर्फ अफवाह : रोहित पवार

महाराष्ट्र में एनसीपी (एसपी) के विधायक रोहित पवार से बात की तो उन्होंने कहा, एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस के विलय की बात एक अफवाह है। इसका क्या मतलब हो सकता है? क्योंकि एनसीपी (एसपी) के दो-दो नेता कांग्रेस में विलय को लेकर मना कर रहे हैं।

निर्दलीय एमएलसी किरण सरनाइक शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र की सियासत में अपनी पैठ मजबूत करने में जुटे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। राज्य में जारी आक्रामक सियासी जोड़-तोड़ के बीच, निर्दलीय विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) किरण सरनाइक औपचारिक रूप से एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद में अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सरनाइक ने देर रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में शिवसेना की सदस्यता ग्रहण की। राज्य की राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाने की लगातार कोशिशों के बीच सत्ताधारी पार्टी के लिए इस घटनाक्रम को एक और बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र विधान परिषद में अमरावती शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सरनाइक बुधवार देर रात पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरनाइक कई वर्षों से कई जनहित के मुद्दों पर उनके साथ काम कर रहे थे और अब उन्होंने आधिकारिक तौर पर शिवसेना का सहयोगी सदस्य बनने का फैसला किया है। शिंदे के अनुसार, विधायक का यह फैसला महाराष्ट्र में पार्टी के नेतृत्व और उसके राजनीतिक एजेंडे के लिए बढ़ते समर्थन को दर्शाता है।

अगर आप कहेंगे तो मैं वाराणसी से लड़ूंगा : आदित्य ठाकरे

ऑपरेशन टाइगर का शिकार होने के बाद शिवसेना यूबीटी अब राजनीतिक बेचैनी के दौर से गुजर रही है। पार्टी के युवा नेता और वर्ली के विधायक आदित्य ठाकरे ने ऐसा बयान दे दिया है जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगला चुनाव फिर वर्ली से ही लड़ेंगे, तो उन्होंने जवाब दिया, अगर आप कहेंगे तो मैं वाराणसी से लड़ूंगा। इस एक वाक्य ने साफ संकेत दे दिया कि आदित्य ठाकरे भविष्य में लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी से ताल ठोंकने का सपना देख रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह राजनीतिक आत्मविश्वास है या फिर अनुभवहीनता से उपजा एक बचकाना दांव? दिलचस्प बात यह भी है कि हाल ही में उद्धव ठाकरे ने कहा था कि यदि कभी देवेंद्र फडणवीस प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनते हैं तो शिवसेना यूबीटी उनका समर्थन करेगी। हालांकि उद्धव ने साथ ही यह भी कहा कि भाजपा में ऐसा सपना देखना ही फडणवीस के लिए राजनीतिक आत्महत्या साबित होगा क्योंकि पार्टी नेतृत्व इसकी अनुमति नहीं देगा। उद्धव ठाकरे का यह बयान कई मायनों में महत्वपूर्ण है। एक तरफ वह भाजपा पर हमला बोलते हैं, दूसरी तरफ फडणवीस जैसे भाजपा नेता के लिए समर्थन की बात भी करते हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि ठाकरे परिवार अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए नए समीकरण तलाश रहा है।

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा!

पत्थर खदान में चट्टान गिरने से बिहार के सात मजदूरों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाला हादसा सामने आया है। बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में काम के दौरान एक विशालकाय चट्टान गिर गई। इस हादसे में बिहार के रहने वाले कम से कम सात दिहाड़ी मजदूरों की मलबे में दबने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए खदान मालिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

» कई घायल, जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने बताया कि गुरुवार को कर्नाटक के बेंगलुरु में पत्थर की एक खदान में बड़ी चट्टान गिरने से बिहार के कम से कम सात मज़दूरों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह-सुबह बेंगलुरु दक्षिण तालुक के मडापट्टना में हुआ, जब कावेरी कंपनी के कर्मचारी एक चट्टान पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि मारे गए सभी लोग दिहाड़ी मज़दूर थे जो पत्थर तोड़ने वाली जगह (स्टोन क्रशर साइट) पर काम कर रहे थे, वे गिरी हुई चट्टान के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा खदान में खुदाई के काम के दौरान हुआ। शुरुआती जांच के मुताबिक, खदान में काम चल रहा था तभी एक बड़ी चट्टान टूटकर नीचे काम कर रहे मज़दूरों पर गिर गई।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय खदान में लगभग 15 से 20 मज़दूर मौजूद थे। शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि एक हिताची मशीन मज़दूरों से लगभग 100 फीट ऊपर नई क्रशर यूनिट के लिए जगह बना रही थी। इसी दौरान, एक बड़ी चट्टान अपनी जगह से हट गई और लुढ़ककर नीचे काम कर रहे मज़दूरों पर आ गिरी। पुलिस को शक है कि हादसा इसलिए हुआ होगा क्योंकि हिताची मशीन के ऑपरेटर ने ध्यान नहीं दिया कि खुदाई वाली जगह के ठीक नीचे मज़दूर काम कर रहे थे। घायलों को इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। घायलों की सही संख्या की पुष्टि की जा रही है, हालांकि शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि कई मज़दूर घायल हुए हैं।

125 साल पुराना गुरुद्वारा ढहाए जाने पर भारत ने लगाई लताड़

» पाकिस्तान सरकार मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई करें : विदेश मंत्रालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक स्थानीय बिजनेसमैन की ओर से 125 साल पुराना ऐतिहासिक गुरुद्वारे को ढहाए जाने की खबरों पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शेखूपुरा जिले के फरूखाबाद स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब का हिस्सा गिराए जाने पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कड़ी निंदा की। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

विवाद बढ़ने के बाद पंजाब (पाकिस्तान) के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने बुधवार (1 जुलाई) को गुरुद्वारा सिंह सभा का दौरा किया और इसके फौरन जीर्णोद्धार की घोषणा की. अरोड़ा ने स्थानीय सिखों की शिकायतें भी सुनीं. औकाफ विभाग पाकिस्तान का एक सरकारी विभाग है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की संपत्तियों, न्यासों और पूजा स्थलों की देखरेख, प्रबंधन और सुरक्षा करता है।

मनीष तिवारी की पोस्ट से बढ़ी सियासी हलचल

» तिवारी ने कहा-कांग्रेस को 45 साल दिए, फिर भी बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। चंडीगढ़ सांसद कांग्रेस मनीष तिवारी की एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद सियासी महकमे में हड़कंप मच गया। सांसद ने कांग्रेस को लेकर गुरुवार को सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि पंजाब के लिए नए वर्किंग प्रेसिडेंट और पोल पैनल की घोषणा की तो उसमें उनका नाम नहीं था।

पार्टी ने उन्हें संगठन के फेरबदल से बाहर कर दिया गया। इस समाचार से जुड़े एक आर्टिकल पर रिएक्शन देते हुए तिवारी ने कहा कि काश उनके पास लोगों और संस्थाओं की इनसिक्योरिटी के लिए कोई एंटीडोट होता।

पिछले 45 सालों में काफी कुछ दिया है और मैंने भी अपनी पूरी एडल्ट जिंदगी दशकों से इंडियन नेशनल कांग्रेस की सेवा में लगा दी है। क्या होगा, क्या होगा, जो होगा, वो

पंजाब में चुनाव से पहले क्या कांग्रेस छोड़ेंगे !

होगा। दरअसल, बुधवार को पंजाब विधानसभा 2027 चुनाव को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने संगठनात्मक नियुक्तियों का एलान किया था। इसमें चुनाव संबंधी समितियों के अध्यक्षों और सह-अध्यक्षों के नाम शामिल थे। वहीं, चंडीगढ़ से तीन बार सांसद और पंजाब के दिग्गज नेताओं में शामिल मनीष तिवारी को कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। जिसके बाद आज उन्होंने एक्स पर यह टिप्पणी की। बता दें कि मनीष तिवारी अभी चंडीगढ़ से सांसद हैं। साल 19 में वह पंजाब के आनंदपुर साहिब से और लुधियाना से भी सांसद रह चुके हैं।

लखनऊ में सुबह हुई झमाझम बारिश, गर्मी से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी, उत्तराखंड, हिमाचल के बाद आखिरकार मानसून दिल्ली पहुंच गया है। उप्र की राजधी लखनऊ गुरुवार को सुबह झमाझम बारिश। इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि एक घंटे की बारिश में शहर के कई इलाके तालाब गन गए। उधर बारिश के थमते धूप निकल आई। सूरज का तापमान कुछ दिनों की अपेक्षा गिरा पर लोग उमस से पेरशान रहे। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून 27 जून को आने वाला था लेकिन यह दिल्ली में पांच दिन की देरी से 2 जुलाई को पहुंचा है।

वहीं मानसून के आगमन से ही आज सुबह ही दिल्ली और आसपास के इलाके के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। आज सुबह ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में तेज धूलभरी हवाएं चलने के बाद मामूली बारिश हुई।

दिल्ली-एनसीआर का मौसम सुहाना बना

बारिश के बाद से ही पूरे दिल्ली-एनसीआर का मौसम सुहाना बना हुआ है। हालांकि बारिश ज्यादा न होने से लोग उमस महसूस कर रहे है लेकिन रोजाना होने वाली तेज धूप से उन्हें राहत मिल गई है।

26 साल में 13वीं बार जुलाई में दिल्ली पहुंचा मानसून

हालांकि दिल्ली में मानसून आने की सामान्य तिथि 27 जून है लेकिन अल नीनो के असर से इस वर्ष यह देर से पहुंचा है। 2001 से लेकर अभी तक 26 वर्षों के आंकड़ों पर नजर दौड़ाएं तो जून में मानसून ने 11 बार ही दस्तक दी है।

मुंबई मूसलाधार आफत, लोकल ट्रेनें थमीं

महाराष्ट्र के तटीय इलाकों और मुंबई महानगर क्षेत्र में बुधवार और गुरुवार को हुई भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मूसलाधार बारिश और उसके बाद हुए गंभीर जलजमाव को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए हैं। पनवेल, उरण, पालघर और रायगढ़ के स्थानीय नगर निकायों ने गुरुवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी की घोषणा कर दी है। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, इन क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति सामान्य होने और पानी उतरने के बाद ही कक्षाएं दोबारा शुरू की जाएंगी। भारी बारिश के कारण मुंबई और उसके सैटेलाइट शहरों में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा